

1952-53	..	Rs. 5,34,150.00
1953-54	..	Rs. 4,57,416.06
1954-55	..	Rs. 7,79,351.39
1955-56	..	Rs. 9,32,456.87
1956-57	..	Rs. 11,34,552.37]

फरीदाबाद का सरकारी प्रेस

६०३. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री अपने मंत्रालय के १६५६-५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ४८ पर पैरा २ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फरीदाबाद में जो नया प्रेस निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री के० सी० रेड्डी) : (क) गवर्नमेंट आफ इण्डिया प्रेस, फरीदाबाद की अनुमानित कार्य-क्षमता ७६,००० हस्तलिखित पेज प्रति पारो प्रति वर्ष है ।

(ख) सम्भवतः लगभग ६०० कर्मचारी काम करेंगे ।

t [GOVERNMENT PRESS AT FARIDABAD

903. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to refer to para. 2 at page 48 of his Ministry's Report for 1956-57 and state:

(a) the working capacity of the new press which is proposed to be set up at Faridabad; and

(b) the number of persons who -will be employed in this press?]

t[THE MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI K. C. REDDY) : (a) The working capacity of the Government of India Press, Faridabad is estimated at 76,000 m.s.s. pages per shift per year.

(b) About 900 persons are likely to be employed.]

नासिक प्रेस का फार्म विंग

६०४. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री अपने मंत्रालय के १६५६-५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ४८ पर पैरा २ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नासिक प्रेस में चालू किये गये फार्म विंग में किस प्रकार के फार्म छप रहे हैं ;

(ख) इसमें प्रति वर्ष कितने फार्म छापने की क्षमता है ; और

(ग) क्या यह पूरी क्षमता से चल रहा है ?

t [FORMS WING OF NASIK PRESS

904. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to refer to para. 2 at page 48 of his Ministry's Report for 1956-57 and state:

(a) the types of forms which are printed at present in the Forms Wing started in Nasik Press;

(b) what is its annual working capacity; and

(c) whether it is working to its full capacity?]

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री के० सी० रेड्डी) : (क) गवर्नमेंट आफ इण्डिया प्रेस, नासिक का फार्म विभाग अभी चालू नहीं हुआ है । इसमें डाक व तार विभाग के फार्म छपेंगे ।

(ख) फार्म विभाग की उत्पादन शक्ति का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि इसमें प्रति वर्ष ३,००० टन कागज की खपत होगी ।